# हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान
# पंथघाटी, शिमला, हि॰प्र॰ (171013)

## खटनोल पंचायत, उपमंडल सुन्नी के ग्रामीणों के लिए पर्यावरण सरंक्षण जागरूकता कार्यक्रम पर रिपोर्ट

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा भारत की स्वतन्त्रता की 75 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में भारत का अमृत महोत्सव के अंतर्गत 13 अक्तूबर, 2021 को खटनोल, बसंतपुर ब्लॉक, ज़िला शिमला में ग्रामीणों के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में खटनोल पंचायत के 30 ग्रामीणों ने भाग लिया, जिसमें पंचायत प्रतिनिधि, महिला एवं युवक मण्डल के सदस्य थे।

**डॉ. जगदीश सिंह, वैज्ञानिक-एफ , प्रभागाध्यक्ष, विस्तार प्रभाग** ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया एवं अमृत महोत्सव के महत्व और इस कार्यक्रम का उद्देश्य बताया। डॉ॰ सिंह ने संस्थान के उद्देश्य और किये जा रहे कार्यों के बारे में संक्षेप में बताया। उन्होनें आगे बताया कि युवाओं और महिलाओं का पर्यावरण सरंक्षण में महत्वपूर्ण योगदान रहता है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण पिछले 100 वर्षों में तापमान में औसतन 01 डिग्री की वृद्धि हुई है, जिसके फलस्वरूप पोलर बर्फ पिघल रही है और एक अनुमान के अनुसार 1979 से लेकर अब तक 20% पोलर बर्फ में कमी आई है। अतः हमारा दायित्व है कि हम बच्चों को पर्यावरण सरंक्षण पर शिक्षा दें ताकि अभी से उनके मन मस्तिष्क में पर्यावरण के प्रति जागरूकता एवं सकारात्मकता विकसित हो। डॉ॰ सिंह ने जन समृद्धि वन समृद्धि योजना से संबन्धित जानकारी ग्रामीणों से साझा की। खटनोल पंचायत के ग्रामीणों ने हर्बल गार्डन स्थापित करने के लिए वैज्ञानिकों से सुझाव मांगे। इस संदर्भ मे डॉ॰ सिंह एवं डॉ॰ संदीप शर्मा द्वारा हर्बल गार्डन स्थापित करने की विधि तथा तकनीक पर महत्वपूर्ण जानकारी दी गयी । डॉ॰ सिंह ने बताया कि हिमालय क्षेत्र वनों का भंडार है तथा इन क्षेत्रों में उच्च कोटी के औषधीय पौधे पाये जाते हैं। खटनोल क्षेत्र में चोरा, निहानी, पत्थर चट्ट, इत्यादि जड़ी बूटियों को उगाने हेतु उपयुक्त एवं अनूकूल वातावरण है।

**डॉ॰ संदीप शर्मा, वैज्ञानिक जी एवं समूह समन्वयक अनुसंधान** ने वर्षा जल संचयन से संबन्धित जानकारी सांझा की। उन्होनें बताया कि विश्व भर में पेयजल की कमी एक संकट बनती जा रही है। पृथ्वी पर भू-जल का जलस्तर लगातार नीचे जा रहा है। अतः जरूरी हो गया कि वर्षाजल को व्यर्थ बहने से रोककर इसे तालाब, नालियों/पाइप लाइनों के माध्यम से संग्रहित किया जाना चाहिए ताकि इसका उपयोग फिर से किया जा सके। इसके साथ वर्षा जल को बहने से रोककर भू-जल भण्डारों में में जलस्तर बढ़ाया जा सकता है। वर्तमान

जलसंकट में यह न केवल जरूरी है, बल्कि बेहद सस्ता व फायदेमन्द भी है। उन्होंने यह भी बताया की चरागाह स्थानों की उत्पादकता बनाए रखने के लिए पशुओं की क्षेत्र में रोटेशनल चरान करवाया जाना चाहिए। इसके अलावा, डॉ॰ शर्मा ने महतवपूर्ण औषधीय पौधों के पारंपरिक उपयोगों के जानकारी भी लोगों के बीच सांझा की और औषधीय एवं अन्य वानिकी पौधों की वैज्ञानिक पौधरोपण तकनीक का डेमोस्ट्रेशन भी दिया। **डॉ॰ जोगिंदर चौहान, मुख्य तकनीकी अधिकारी** ने बताया कि पारंपरिक फसलें जैसे कि कोदरा और चौलाई को भी लोगों को उगाना चाहिए, क्योंकि अच्छी पौष्टिकता के साथ-साथ इनमें औषधीय गुण भी होते हैं। कोदरा की रोटी मधुमेह के रोगियों के लिए अति उतम आहार माना गया है।

इसके अलावा, हि॰व॰अनु॰सं॰ द्वारा ग्रामीणों को हर्बल गार्डन हेतु 250 चोरा के पौधे वितरित किए। इसके अलावा ग्रामीणों की मांग पर शामलात भूमि में पौधरोपण हेतु 100 पौधे जंगली आड़ू के भी वितरित किए। **श्री मोहिंदर शर्मा, बी.ड़ी.सी.** तथा **श्री सुरेश शर्मा, ग्राम सुधार समिति के प्रधान** ने संस्थान को उनकी पंचायत में कार्यक्रम करवाने हेतु और महत्वपूर्ण जानकारी देने हेतु धन्यवाद दिया। कार्यक्रम के आयोजन में डॉ॰ संदीप शर्मा, डॉ॰ जगदीश सिंह, डॉ॰ जोगिंदर चौहान एवं श्री कृष्ण लाल परियोजना सहायक ने प्रमुख भूमिका निभाई। अंत में **डॉ॰ जोगिंदर चौहान** ने ग्रामीणों का कार्यक्रम में भाग लेने हेतु धन्यवाद दिया।

**********

## कार्यक्रम के छायाचित्र

## मिडिया कवरेज़

दैनिक भास्कर हिमाचल 14-10-2021

# खटनोल में ग्रामीणों को पर्यावरण पर किया जागरूक

**शिमला|** हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला द्वारा भारत का अमृत महोत्सव के तहत बुधवार को बसंतपुर ब्लॉक के खटनोल पंचायत में ग्रामीणों के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में 30 ग्रामीणों ने भाग लिया, जिसमें पंचायत प्रतिनिधि, महिला एवं युवक मंडल के सदस्य शामिल रहे। एचएफआरआई के वैज्ञानिक डॉ. जगदीश सिंह ने अमृत महोत्सव के महत्व और इस कार्यक्रम का उद्देश्य बताया। उन्होंने संस्थान के उद्देश्य और किए जा रहे कार्यों के बारे में संक्षेप में बताया। उन्होंने बताया कि युवाओं और महिलाओं का पर्यावरण सरंक्षण मे महत्वपूर्ण योगदान रहता है। उन्होंने जन समृद्धि वन समृद्धि योजना से संबंधित जानकारी ग्रामीणों से सांझा की। ग्रामीणों से हर्बल गार्डन स्थापित करने के लिए सुझाव मांगे।

एचएफआरआई द्वारा खटनोल पंचायत में ग्रामीणों के लिए आयोजित पर्यावरण सरंक्षण जागरुकता कार्यक्रम में मौजूद वैज्ञानिक और ग्रामीण।

**********